खबर संक्षेप

अमरकंटक ताप विद्युत गृह में इतिहास दर्ज

चचाई। मध्य प्रदेश के ऊर्जा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया गया है। चचाई स्थित अमरकंटक ताप विद्युत गृह में प्रस्तावित 660 मेगावाट की नई सुपरक्रिटिकल इकाई के निर्माण कार्य ने गति पकड़ ली है। हाल ही में परियोजना के मुख्य बॉयलर क्षेत्र में उत्खनन कार्य का सफलतापूर्वक शुभारंभ किया गया। इस मील के पत्थर को हासिल करने पर प्रबंधन ने पूरी प्रोजेक्ट टीम, इंजीनियरों और सहयोगी कर्मचारियों को बधाई दी है। यह नई अत्याधुनिक इकाई न केवल प्रदेश की बिजली उत्पादन क्षमता को रिकॉर्ड स्तर पर ले जाएगी, बल्कि भविष्य की ऊर्जा मांगों को पूरा करने में भी मील का पत्थर साबित होगी। विशेषज्ञों के अनुसार, बॉयलर क्षेत्र की नींव मजबूत होने से निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा करने में मदद मिलेगी। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि से प्रदेश की ऊर्जा शक्ति को एक नई उड़ान मिली है, जिससे पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

विधायक ने विकास कार्यों का किया भूमि पूजन एवं लोकार्पण

शहडोल। विधायक जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र श्रीमती मनीषा सिंह ने जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत सरसी में 20 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन के निर्माण कार्य हेतु भूमि पूजन एवं ग्राम खन्नौधी में 22.13 लाख रूपये से निर्मित नवीन ग्राम पंचायत भवन का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सुधीर कुमार दिनकर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

अवैध मत्स्याखेट और परिवहन पर पूरी तरह प्रतिबंध

शहडोल। अगर आप नदियों, तालाबों या जलाशयों से मछली पकडने या उनके अवैध कारोबार का शौक रखते हैं, तो सावधान हो जाएं, प्रशासन अब ऐसे तत्वों पर सीधे काल बनकर टूटने वाला है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने म.प्र. नदीय मत्स्योद्योग अधिनियम के तहत 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि को बंद ऋतु (क्लोज सीजन) घोषित करते हुए पूरे जिले में अवैधानिक मत्स्याखेट, परिवहन और क्रय-विक्रय पर पूरी तरह से शिकंजा कस दिया है। मछलियों के प्रजनन काल को देखते हुए प्रशासन इस बार बेहद आक्रामक रुख में है। कलेक्टर ने साफ चेतावनी दी है कि इस प्रतिबंधित अवधि में यदि कोई भी व्यक्ति जिले की सीमा के भीतर किसी भी नदी, नाले या जलाशय में जाल डालते या अवैध परिवहन करते पाया गया, तो उस पर रहम नहीं बरता जाएगा। म.प्र. मत्स्योद्योग अधिनियम के तहत नियम तोडने वालों को सीधे 1 वर्ष के कड़े कारावास या 5000 रुपये के जुर्माने अथवा दोनों से एक साथ दंडित किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि जल स्रोतों की सुरक्षा और जलीय जीवों के संरक्षण से खिलवाड़ करने वाले माफिया और बिचौलियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। अवैध शिकारियों पर पैनी नजर रखने के लिए विशेष टीमें भी मुस्तैद कर दी गई हैं।

जिला कौशल समिति की बैठक आज

शहडोल। संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) शहडोल द्वारा जिला कौशल समिति की बैठक 15 जून 2026 को आयोजित की जाएगी। बैठक कलेक्टर शहडोल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न होगी। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ-साथ वर्ष 2026 में प्रस्तावित कौशल विकास गतिविधियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर चर्चा की जाएगी। विशेष रूप से युवाओं एवं विद्यार्थियों को कौशल प्रशिक्षण से जोडने, उन्हें विभिन्न रोजगारोन्मुखी योजनाओं के प्रति प्रोत्साहित करने तथा व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए कार्ययोजना तैयार की जाएगी। बैठक में जिला पंचायत, उद्योग केंद्र, महिला एवं बाल विकास, कृषि, उद्यानिकी, आदिवासी विभाग, नगर पालिका, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग, बैंकिंग संस्थानों, उद्योग प्रतिनिधियों तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों एवं सदस्यों को आमंत्रित किया गया है। संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था, शहडोल के प्राचार्य द्वारा जारी पत्र के अनुसार सभी संबंधित अधिकारियों से निर्धारित तिथि एवं समय पर बैठक में उपस्थित होकर आवश्यक सहयोग प्रदान करने का आग्रह किया गया है।

हादसों से नहीं लिया सबक

बुढार के व्यस्त रेलवे मार्केट में मौत बनकर खड़ी है तीन मंजिला जर्जर इमारत

मानसून सिर पर, कब्जाधारियों की जिद और प्रशासन की सुस्ती के बीच मंडराया बड़ा खतरा

अनूपपुर और इंदौर जैसे जानलेवा हादसों की पुनरावृत्ति का अंदेशा

बुढार।

प्रदेश के अनूपपुर और इंदौर में हाल ही में हुए जर्जर भवनों के ढहने के दर्दनाक हादसों से भी स्थानीय प्रशासन और भवन से जुड़े लोग कोई सबक लेने को तैयार नहीं हैं। शहडोल जिले के सबसे व्यस्त व्यापारिक केंद्र, बुढार के मुख्य बाजार स्थित रेलवे मार्केट में एक तीन मंजिला पुरानी इमारत इस समय साक्षात मौत बनकर खड़ी है। यह पूरी इमारत इतनी जर्जर हो चुकी है कि इसकी छतों से सीमेंट और प्लास्टर के बड़े-बड़े टुकड़े लगातार भरभराकर नीचे गिर रहे हैं। मानसून की दस्तक के साथ ही इस इमारत के कभी भी जमींदोज होने का खतरा कई गुना बढ़ गया है। यदि समय रहते इस ढांचे को नहीं ढहाया गया, तो बाजार क्षेत्र में दर्जनों लोगों की जान जा सकती है और कई हंसते-खेलते परिवार काल के गाल में समा सकते हैं।

रूपचंदानी परिवार के बुजुर्गों की विरासत अब बनी मुसीबत

रेलवे मार्केट की इस तीन मंजिला इमारत का निर्माण दशकों पहले रूपचंदानी परिवार के बुजुर्गों ने करवाया था। समय के साथ

इस इमारत का एक बड़ा हिस्सा अलग-अलग लोगों को किराए पर दे दिया गया। आज स्थिति यह है कि यहां दो से तीन मंजिलों में छोटी-छोटी गुमाश्तानुमा दुकानें और रिहायशी हिस्से बने हुए हैं। दशकों पुरानी हो चुकी यह ईंट-गारे और कमजोर हो चुके सरियों की इमारत अब अपनी अंतिम सांसें गिन रही है। हालत यह है कि इसके पिलर और दीवारें कमजोर होकर झुकने लगी हैं। खुद भवन स्वामी ने भी इसकी संवेदनशीलता को समझते हुए पूर्व में नगरीय निकाय और अन्य संबंधित विभागों से इसे खुद ढहाने की अनुमति मांगी थी, लेकिन अनुमति मिलने के बाद भी जमीनी स्तर पर इसे तोडऩे की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका है।

बरसात में बढ़ जाता है जर्जर भवनों का खतरा

हाल ही में अनूपपुर के कोतमा में बगल की खुदाई के कारण चार मंजिला पुराना लॉज भरभराकर गिर गया, जिसमें तीन लोगों की असमय मौत हो गई। वहीं इंदौर के रानीपुरा जैसे तंग बाजार में भी जर्जर इमारत गिरने से दो सगे भाई-बहनों को अपनी जान गंवानी पड़ी थी। विशेषज्ञ बताते हैं कि मानसून के दौरान पुरानी और जर्जर इमारतों की दीवारों में पानी का रिसाव (सीपेज) होने से उनका वजन अचानक कई गुना बढ़ जाता है। पानी के दबाव और हवा के झोंकों के कारण ऐसी कमजोर संरचनाएं बिना किसी पूर्व चेतावनी के ताश के पत्तों की तरह ढह जाती हैं। बुढार का रेलवे मार्केट भी इसी तरह के भयावह खतरे के मुहाने पर खड़ा है।

कब्जाधारियों की हठधर्मिता और विवाद की स्थिति

इस पूरे मामले में सबसे चिंताजनक पहलू स्थानीय दुकानदारों और कब्जाधारियों का अडिय़ल रवैया है। नगर परिषद बुढार द्वारा इस जर्जर भवन की संवेदनशीलता को देखते हुए भवन स्वामी और वहाँ व्यवसाय कर रहे सभी दुकानदारों को पूर्व में ही खाली करने का नोटिस थमाया जा चुका है। इसके बावजूद, दुकानदार अपनी दुकानों को खाली करने को तैयार नहीं हैं, जिससे क्षेत्र में लगातार विवाद की स्थिति बनी हुई है। इस तीन मंजिला इमारत के नीचे दर्जन भर से अधिक दुकानें संचालित हो रही हैं, जहां रोज व्यापारी और उनके कर्मचारी बैठते हैं। वहीं ऊपरी मंजिलों पर खुद मकान मालिक का परिवार और कई किराएदार निवास कर रहे हैं। इन सभी की जान इस वक्त सीधे तौर पर जोखिम में है।

नगर पालिका अधिनियम देता है कड़े अधिकार

मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1961 (तथा नगर पालिक निगमों के लिए अधिनियम 1956 की धारा 309) के तहत नगरीय निकायों को सार्वजनिक सुरक्षा के लिए व्यापक और कड़े कानूनी अधिकार दिए गए हैं। नियमों के मुताबिक यदि कोई भवन सार्वजनिक सुरक्षा के लिए खतरा है, तो मुख्य नगरपालिका अधिकारी उसे तुरंत खाली कराने और ढहाने का नोटिस दे सकता है। नोटिस अवधि (आमतौर पर 14 से 30 दिन) समाप्त होने के बाद यदि कब्जाधारी जगह खाली नहीं करते हैं, तो निकाय प्रशासन पुलिस बल की मदद से उन्हें बलपूर्वक बेदखल कर सकता है। यदि भवन स्वामी या किराएदार अवरोध पैदा करते हैं, तो नगर पालिका खुद अपने संसाधनों (बुलडोजर आदि) से भवन को ढहा सकती है और इस कार्रवाई में आने वाला पूरा खर्च संबंधित उत्तरदायी व्यक्तियों से भू-राजस्व की बकाया की तरह वसूल किया जा सकता है।

कलेक्टर और प्रशासनिक हस्तक्षेप जरूरी

नगर परिषद बुढार ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए नोटिस तो जारी कर दिया है, लेकिन धरातल पर कार्रवाई शून्य है। केवल कागजी नोटिस थमा देने भर से आसन्न मौत के इस खतरे को टाला नहीं जा सकता। इस मामले में जब तक शहडोल के संवेदनशील कलेक्टर, स्थानीय तहसीलदार, पटवारी और मुख्य नगरपालिका अधिकारी संयुक्त रूप से आगे आकर कड़ा प्रशासनिक कदम नहीं उठाएंगे, तब तक कोई सार्थक नतीजा निकलता नजर नहीं आ रहा है। प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर कड़ाई से नियमों का पालन कराना होगा, अन्यथा किसी भी दिन बुढार एक बड़े और भयानक हादसे का गवाह बन सकता है।

जवाबदेही से नहीं बच पाएंगे जिम्मेदार

यदि इस बरसात में यह जर्जर बिल्डिंग गिरती है और कोई जनहानि होती है, तो इसकी सीधी जिम्मेदारी किसकी होगी? क्या प्रशासन किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार कर रहा है? नगर पालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद के अध्यक्ष और स्थानीय प्रशासनिक अमला इस बात से अनजान नहीं हैं। जनता के जीवन की रक्षा करना प्रशासन का पहला संवैधानिक दायित्व है। यदि लापरवाही के चलते यहाँ मासूम जानें जाती हैं, तो जिम्मेदार अधिकारियों और अडिय़ल रवैया अपनाने वाले लोगों पर भारतीय न्याय संहिता के तहत आपराधिक लापरवाही का मुकदमा चलना तय है। समय आ गया है कि कागजी घोड़ों को दौड़ाना बंद कर कड़ाई से पीला पंजा (बुलडोजर) चलाया जाए और बुढार को एक संभावित श्मशान बनने से बचाया जाए।।

राहगीर, महिलाएं और बच्चे भी निशाने पर

चूंकि यह बुढार का मुख्य रेलवे मार्केट है, इसलिए यहां सुबह से लेकर देर रात तक पैर रखने की जगह नहीं होती। बाजार में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं, बुजुर्ग और बच्चे रोजाना आते हैं। यह भवन मुख्य सडक़ के बिल्कुल किनारे स्थित है, जिससे इसके गिरने की स्थिति में न केवल इसके भीतर रहने वाले, बल्कि आस-पास के पड़ोसी दुकानदार और सडक़ से गुजरने वाले राहगीर भी इसकी चपेट में आ जाएंगे। यदि व्यस्त बाजार के समय यह तीन मंजिला ढांचा ढहा, तो मलबे का दायरा इतना बड़ा होगा कि राहत और बचाव कार्य शुरू होने से पहले ही दर्जनों लोग काल कवलित हो सकते हैं।

लंबित समंस-वारंटों की तामीली में लापरवाही की तो खैर नहीं! कप्तान ने सुव्यवस्थित रिकॉर्ड रखने के दिये कड़े निर्देश

शहडोल। न्यायालयीन आदेशों की तामीली में ढुलमुल रवैया अपनाने वाले पुलिसकर्मियों पर अब गाज गिरना तय है। पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने लंबित वारंटों को लेकर कड़ा रुख अख्तियार करते हुए जिले के अमले को दोटूक चेतावनी दे दी है। पुराने पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित एक हाई-प्रोफाइल समीक्षा बैठक के दौरान एसपी ने कोर्ट मोहर्रिरों, थानों के समंस वारंट मददगारों और चालान मुंशियों की जमकर क्लास ली। एसपी ने दोटूक लहजे में कहा कि अदालतों से जारी होने वाले समंस और वारंटों को बस्ते में दबाकर रखने का खेल अब नहीं चलेगा। हर एक वारंट की समयबद्ध और त्वरित तामीली सुनिश्चित करना थानों की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अपराधियों और कानून को ठेंगा दिखाने वालों को कतई ढील न दी जाए। बैठक में दो टूक निर्देश दिए गए कि न्यायालयीन अभिलेखों (रिकॉर्ड) का संधारण पूरी तरह सुव्यवस्थित होना चाहिए और कोर्ट के हर आदेश का तत्काल अक्षरशः पालन हो। लापरवाही मिलने पर संबंधित के खिलाफ सीधे एक्शन लिया जाएगा। इस अहम बैठक में वारंट सेल प्रभारी सउनि सुरेश पाण्डेय, सीसीटीएनएस से सउनि लालमणी सिंह, रीडर लक्ष्मीनारायण द्विवेदी और आरक्षक मेलाराम भूमिया सहित पूरा सेल मुस्तैद रहा।

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर सिरौंजा में आयोजित हुआ जन संवाद का कार्यक्रम

धनपुरी।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे 12 साल विश्वास के, विकास के और जनकल्याण के अभियान के तहत ग्राम सिरोंजा में विशेष जनसंवाद एवं उपलब्धि परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी ने केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों और जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण, किसान सम्मान, महिला सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार तथा आधारभूत संरचना के विकास के क्षेत्र में केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक कार्य किए हैं। विधायक मरावी ने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना भाजपा की प्राथमिकता है। इसके लिए कार्यकर्ताओं को घर-घर जाकर लोगों को योजनाओं की जानकारी देना और पात्र हितग्राहियों को उनसे जोडऩा चाहिए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याएं विधायक के समक्ष रखीं। विधायक ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कराया तथा शेष समस्याओं के शीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। जिला भाजपा उपाध्यक्ष दौलत मनवानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में देश ने विकास और जनसेवा का नया इतिहास रचा है। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता संगठन और सरकार के बीच मजबूत कड़ी बनकर योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में जिला भाजपा उपाध्यक्ष दौलत मनवानी, रविकांत त्रिपाठी, अजय सिंह नन्नू, दीपक शर्मा, अनिल गुप्ता, संजय जायसवाल, रामनिवास कुशवाह, सनत कुमार मिश्रा, राजा सिंह परिहार, अरविंद जायसवाल, अतुल सोनी, ईश्वर सिंह मरावी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाना तथा नागरिकों के साथ सीधा संवाद स्थापित करना रहा।

एनएच-43 पर बढ़ता खतरा: पकरिया-जैतपुर चौराहे का अवैध निर्माण बना संभावित ब्लैक स्पॉट हादसों की आशंका गहराई

बुढार/शहडोल।

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-43 पर सडक़ दुर्घटनाओं का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। विशेष रूप से शहडोल से बुढार और बुढार से आगे जैतपुर क्षेत्र तक का मार्ग दुर्घटनाओं के लिहाज से संवेदनशील बनता जा रहा है। बुढार थाना क्षेत्र अंतर्गत पकरिया-जैतपुर चौराहे पर हालात चिंताजनक बताए जा रहे हैं, जहां हाल के वर्षों में दुर्घटनाओं की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौराहे के समीप निर्मित एक दो मंजिला भवन सडक़ सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनता जा रहा है।

आरोप है कि यह निर्माण विवादित परिस्थितियों में किया गया है तथा इसके लिए भूमि अभिलेखों में फेरबदल किए जाने की चर्चा क्षेत्र में लंबे समय से चल रही है। यह भी कहा जा रहा है कि संबंधित भूमि का पूर्व में मुआवजा लिया जा चुका था, बावजूद इसके निर्माण कार्य जारी है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इसी चौराहे के पास एक यात्री बस और मिक्सर मशीन वाहन के बीच भीषण टक्कर हुई थी, जिसमें दस से अधिक लोग घायल हो गए थे। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि चौराहे के समीप बढ़ते निर्माण और सीमित दृश्यता दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण बन रहे हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि भवन के पास से हाईटेंशन विद्युत लाइन भी गुजर रही है, जिससे सुरक्षा संबंधी जोखिम और बढ़ गया है। आरोप यह भी लगाए जा रहे हैं कि निर्माण कार्य के लिए आवश्यक अनुमतियां नहीं ली गईं, लेकिन इसके बावजूद संबंधित विभागों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। लोगों का मानना है कि यदि समय रहते इस मामले की जांच कर उचित कदम नहीं उठाए गए तो पकरिया-जैतपुर चौराहा भविष्य में राष्ट्रीय राजमार्ग का एक बड़ा ब्लैक स्पॉट बन सकता है। इससे न केवल यातायात प्रभावित होगा बल्कि राहगीरों और वाहन चालकों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। क्षेत्र के नागरिकों ने जिला प्रशासन, कलेक्टर तथा राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से मांग की है कि चौराहे की सुरक्षा का तकनीकी परीक्षण कराया जाए, निर्माण की वैधता की जांच हो और यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाए तो नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में होने वाले संभावित हादसों को रोका जा सके।

खबर संक्षेप

विद्युत नगरी के गली-गली में प्राइवेट स्कूलों की भरमार।

चचाई। विद्युत नगरी चचाई में एक ओर जहां जिले में अपनी पहचान बनाने वाले विद्यालय स्थानीय अधिकारियों की राजनीति का अखाड़ा बनने के कारण आज अपने अस्तित्व को बचाने की कवायद में लगे हुए हैं वहीं विद्युत नगरी चचाई में नवीन 660 मेगावाट प्लांट का कार्य चालू होते ही कुकुरमुत्ता की तरह अमानक विद्यालय खुलने की होड़ सी मच गई है जिसे देखते हुए समाजसेवी एवं शिक्षाविदों ने जिला शिक्षा अधिकारी को एक पत्र प्रेषित कर तत्काल ऐसे अमानक स्कूलों की जांच कर बंद करने की बात कही जा रही है जानकारी अनुसार बीते तीन माह में चचाई में कई प्राथमिक एवं नर्सरी विद्यालय बड़े-बड़े बोर्ड एवं गली-गली में दीवार लेखन कराकर निजी मकान में स्कूल संचालित किए जा रहे है। ऐसे विद्यालय जिनका पंजीयन है या नहीं है या की पंजीयन है भी तो ऐसे विद्यालय जो गली कूचों में बिना किसी मापदंड के खुल रहे हैं पंजीकरण नियम के विरुद्ध है दुकाननुमा विद्यालय शिक्षा की दुकान जहां पढ़ाई कम व्यापार ज्यादा होता है यहां भोले भाले अभिभावकों को लुभावने वादे करके उनसे खासी फीस वसूली जाती है एक ओर प्रदेश सरकार जहां शासकीय विद्यालयों को बढ़ावा देने हेतु अधिक से अधिक शैक्षणिक सुविधाएं देने के लिए भारी भरकम बजट दिया जाता है ताकि हर वर्ग का बच्चा अच्छी शिक्षा पा सके शिक्षा के जानकारों ने सरकार की मंशा पर पानी फेरने वाले ऐसे स्कूलों को विशेष दस्ता जांच दल गठित करके अमानक विद्यालयों के संचालकों पर कार्रवाई करनी चाहिए।

वृद्ध ने फांसी लगाकर दी जान

कोतमा। थाना अंतर्गत गढी गांव निवासी 70 वर्षीय वृद्धा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार शनिवार को देर शाम गढी गांव निवासी बब्बू साहू 70 वर्ष ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर पंचनामा तैयार कर शव को पीएम उपरांत परिजनों को सौंपते हुए मर्ग कायम कर विवेचना में जुट गई है।

दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोतमा। थाने मे 21 वर्षीय युवती ने अपने साथ दुष्कर्म होने की शिकायत थाने में दर्ज करवाई है। पुलिस से मिली जानकारी अनुसार 21 वर्षीय युवती ने पुलिस को जानकारी देते हुए बताया कि वह कोतमा में रहकर कोचिंग करती थी और कोचिंग में ही उसकी जान पहचान 2025 से सचिन केवट जो की 32 बंगला कोतमा में रहता था हो गई थी और सचिन केवट ने उसकी शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म करता था और उसके बाद उसने शादी से इनकार कर दिया। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी सचिन केवट के खिलाफ धारा 69 बीएनएस एवं एससी एसटी का मामला पंजीबद्ध करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले की विवेचना एसडीओपी आरती शाक्य के द्वारा किया जा रहा है।

थाना रामनगर पुलिस की कॉम्बिंग गश्त में बड़ी सफलता

राजनगर। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम तथा एसडीओपी कोतमा श्रीमती आरती शाक्य के कुशल मार्गदर्शन में जिले में अपराध नियंत्रण, फरार आरोपियों एवं वारंटियों की धरपकड़ हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 13 जून की रात्रि में थाना रामनगर क्षेत्रांतर्गत व्यापक स्तर पर कॉम्बिंग गश्त अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान थाना रामनगर पुलिस द्वारा न्यायालय से जारी लंबित स्थाई वारंटों की तामील हेतु विशेष कार्यवाही करते हुए कुल 07 स्थाई वारंट तामील किए गए। पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास कर लंबे समय से न्यायालय में लंबित प्रकरणों के वारंटियों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान आरोपी विजेंद्र मिश्र पिता स्वर्गीय रामनारायण मिश्रा, उम्र 30 वर्ष, निवासी सी-सेक्टर के विरुद्ध लंबित दो स्थाई वारंटों की तामील की गई। इसी प्रकार आरोपी राजा उर्फ रज्जक सेन पिता रामनिहोर सेन, उम्र 28 वर्ष, निवासी सीधी सफाई राजनगर के विरुद्ध विभिन्न प्रकरणों में जारी चार स्थाई वारंटों को तामील किया गया। वहीं आरोपी तेजप्रकाश महरा पिता नारायण दास महरा, उम्र 20 वर्ष, निवासी कटकोना के विरुद्ध लंबित एक स्थाई वारंट की तामील की गई। थाना रामनगर पुलिस द्वारा न्यायालयीन प्रकरणों में फरार आरोपियों, स्थाई वारंटियों तथा अपराधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

शहडोल पुलिस में दो साल बाद बड़ा फेरबदल

110 अधिकारी-कर्मचारियों के तबादले

करीब दो वर्ष बाद एसपी रामजी श्रीवास्तव का बड़ा फैसला

लंबे समय से चल रही चर्चाओं पर लगी मुहर

जिले के पुलिस विभाग में करीब दो वर्षों बाद बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। लंबे समय से स्थानांतरण सूची को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने 110 अधिकारी एवं कर्मचारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। एक ही स्थान पर वर्षों से पदस्थ कर्मचारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपते हुए विभिन्न थानों, चौकियों और शाखाओं में व्यापक बदलाव किए गए हैं, जिसे हाल के वर्षों का सबसे बड़ा पुलिस प्रशासनिक फेरबदल माना जा रहा है।

शहडोल। जिले के पुलिस महकमे में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार बड़ा प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिला है। करीब दो वर्षों से व्यापक तबादला सूची को लेकर चर्चाओं का दौर जारी था। पुलिस विभाग के गलियारों में लगातार यह चर्चा होती रही कि कई अधिकारी और कर्मचारी लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं और जल्द ही बड़े स्तर पर बदलाव हो सकते हैं। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन तबादला सूची जारी नहीं हुई। अब पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने एक साथ 110 अधिकारी एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण आदेश जारी कर इन अटकलों पर विराम लगा दिया है। जिले में हुए इस बड़े फेरबदल को हाल के वर्षों का सबसे व्यापक प्रशासनिक बदलाव माना जा रहा है। जारी आदेश के अनुसार 1 सूबेदार, 1 उप निरीक्षक, 15 सहायक उप निरीक्षक (एएसआई), 39 प्रधान आरक्षक, 52 आरक्षक तथा 8 महिला आरक्षक सहित कुल 110 कर्मचारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। तबादला सूची में कोतवाली, सोहागपुर, जयसिंहनगर, जैतपुर, गोहपारू, अमलाई, धनपुरी, सिंहपुर, बुढ़ार, ब्यौहारी, खैरहा, पपौंध, देवलौंद, महिला थाना, यातायात शाखा तथा एसडीओपी कार्यालय ब्यौहारी सहित कई इकाइयों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हैं। लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थ कर्मचारियों को दूसरे क्षेत्रों में भेजकर प्रशासनिक संतुलन स्थापित करने की कोशिश की गई है।

अधिकारियों को मिली नई जिम्मेदारी

यातायात शाखा में पदस्थ सूबेदार प्रियंका शर्मा को रक्षित केंद्र भेजा गया है। उप निरीक्षक आनंद कुमार झरिया को सोहागपुर से कोतवाली स्थानांतरित किया गया। एएसआई करतार सिंह को अमलाई से खैरहा, अंजना अहिरवार को धनपुरी से सिंहपुर, सुरेश अहिरवार को कोतवाली से जयसिंहनगर, आनंद संत को कोतवाली से केशवाही, मोनो साफी को सोहागपुर से यातायात, रामनारायण पाण्डेय को सोहागपुर से जैतपुर, सूर्यभान सिंह मरावी को सोहागपुर से गोहपारू, संतोष सिंह को केशवाही से कोतवाली, रामकरन सिंह को खैरहा से धनपुरी, लालदास चौधरी को जैतपुर से कोतवाली, चमक प्रसाद कोल को जैतपुर से अमलाई, शिवराम सिंह को झींकबिजुरी से सोहागपुर, दिनेश द्विवेदी को सीधी से जयसिंहनगर, साहब सिंह को सीधी से सोहागपुर तथा भागचन्द्र चौधरी को गोहपारू से सोहागपुर भेजा गया है।

प्रधान आरक्षकों में व्यापक बदलाव

प्रधान आरक्षक सुनील शर्मा को कोतवाली से रक्षित केंद्र, रमेश मिश्रा को पपौंध से देवलौंद, रामपाल सेन को महिला थाना से अजाक, मोहम्मद जाहिद को जैतपुर से अमलाई, दिनेश प्रसाद केवट को कोतवाली से गोहपारू, राकेश शुक्ला को गोहपारू से जयसिंहनगर, हेमंत सिंह को सीधी से धनपुरी, रामप्रसाद पाटले को अमलाई से जैतपुर, मनोज शुक्ला को सोहागपुर से सिंहपुर, राजेन्द्र प्रसाद राठौर एवं दिनेश सिंह को धनपुरी से बुढ़ार, पवन शुक्ला को खैरहा से सिंहपुर, गणेश पाण्डेय को अमलाई से कोतवाली, अमृतलाल प्रजापति को गोहपारू से यातायात, अखण्ड प्रताप सिंह को सीधी से सिंहपुर, मुकेश कुमार जायसवाल को अमलाई से सिंहपुर, पुष्पेन्द्र कुमार को अमलाई से सोहागपुर, नरेन्द्र सिंह को खैरहा से गोहपारू, सोनू सिंह को यातायात से खैरहा, रामप्रकाश सिंह को सोहागपुर से बुढ़ार, रामनिवास पाण्डेय को सोहागपुर से जैतपुर, सूरज सिंह को देवलौंद से जैतपुर, नरेन्द्र सिंह को जैतपुर से गोहपारू, रमेश पाटले को कोतवाली से सोहागपुर, अशोक सिंह बडक्करे को जैतपुर से धनपुरी, सुभाष महिवा को जैतपुर से सिंहपुर, मनीष सिंह धुर्वे को सिंहपुर से ब्यौहारी, सौमित पटेल को सिंहपुर से खैरहा, देवेन्द्र पाण्डेय को सिंहपुर से सीधी, ईश्वर सिंह मरकाम एवं महेन्द्र सिंह परस्ते को सिंहपुर से अमलाई, विजय सिंह को गोहपारू से जैतपुर, हेम सोनवानी को अजाक से कोतवाली, सरिता सिंह राठौर को बुढ़ार से कोतवाली, ललिता पटेल को ब्यौहारी से कोतवाली, बसंता सिंह को बुढ़ार से सोहागपुर, सविता धुर्वे को बुढ़ार से अमलाई, प्रदीप बडक्कड़े को गोहपारू से धनपुरी तथा गुरूदयाल उइके को गोहपारू से सोहागपुर भेजा गया है।

आरक्षकों के तबादलों की लंबी सूची

आरक्षक आलोक सिंह बघेल को सिंहपुर से खैरहा, अतुल पाण्डेय को धनपुरी से अमलाई, संजय उपाध्याय को यातायात से महिला थाना, जयकृष्ण चतुर्वेदी को बुढ़ार से सोहागपुर, जयेन्द्र सिंह को जैतपुर से जयसिंहनगर, शोभनाथ यादव को पपौंध से जैतपुर, सुनीत सिंह को जयसिंहनगर से ब्यौहारी, कुशल सिंह को झींकबिजुरी से सोहागपुर, विजय महरा को जैतपुर से गोहपारू, अरुण कुमार परस्ते को एसडीओपी कार्यालय ब्यौहारी से यातायात, कमलेश कुर्मी को अजाक से महिला थाना, रवि कुमार माणिकपुरी को खैरहा से बुढ़ार, शिवकुमार मरकाम को सीधी से जयसिंहनगर, पुष्पेन्द्र सिंह को महिला थाना से यातायात, सुमेश सिंह को जयसिंहनगर से पपौंध, दीपक रावत को देवलौंद से पपौंध, राजेन्द्र शुक्ला को सोहागपुर से अमलाई, धर्मेन्द्र शुक्ला को धनपुरी से जयसिंहनगर, राजेश शर्मा को धनपुरी से खैरहा, चन्द्रभूषण तिवारी को बुढ़ार से धनपुरी, उदयभान सिंह को जयसिंहनगर से सीधी, अजय बाघम को धनपुरी से सिंहपुर, अजय कुमार प्रजापति को दर्शिला से धनपुरी, धीरज यादव को यातायात से अजाक, विजयपाल सिंह को यातायात से खैरहा, अमित सिंह को धनपुरी से कोतवाली, संजय कुमार उइके को खैरहा से धनपुरी, सतीष बैहरिया को खैरहा से केशवाही, रोहित कुमार एवं धीरशाह बैगा को जयसिंहनगर से ब्यौहारी, रंजन राय को सीधी से कोतवाली, गणेश सिंह को केशवाही से जैतपुर, नरेन्द्र कुमार यादव को अमलाई से सीधी, शंकर सिंह श्याम को ब्यौहारी से जयसिंहनगर, सोनू कुमार दुबे को जैतपुर से धनपुरी, राममोहन शर्मा को जैतपुर से गोहपारू, मुकेश कुमार राय को सीधी से खैरहा, तरुण गवले को कोतवाली से महिला थाना, वीरेन्द्र मौर्य को धनपुरी से कोतवाली, राजबिहारी पटेल को देवलौंद से ब्यौहारी, राजीव सिंह को ब्यौहारी से एसडीओपी कार्यालय ब्यौहारी तथा अतुल कुमार शुक्ला को कोतवाली से यातायात भेजा गया है।

महिला आरक्षकों को नई पदस्थापना

महिला आरक्षक सरूणा बैगा को महिला थाना से सोहागपुर, सतरूपी देवी को महिला थाना से कोतवाली, सुरभि उमलिया को देवलौंद से ब्यौहारी, कीर्ति मरावी को अमलाई से बुढ़ार, चम्पा सिंह को कोतवाली से अजाक, वैशाली व्यास को सोहागपुर से कोतवाली, सरोज बैगा को ब्यौहारी से जयसिंहनगर तथा आज्ञावती मरावी को खैरहा से धनपुरी स्थानांतरित किया गया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी आदेश के अनुसार यह कार्रवाई स्थानांतरण नीति के तहत की गई है। ऐसे कर्मचारियों को प्राथमिकता दी गई है जिन्होंने एक ही पदस्थापना स्थल पर निर्धारित अवधि पूरी कर ली थी। विभाग का मानना है कि इससे कार्यकुशलता बढ़ेगी और विभिन्न थानों में अनुभवी स्टाफ की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इस व्यापक फेरबदल का उद्देश्य कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाना, प्रशासनिक व्यवस्था में संतुलन बनाए रखना तथा पुलिसिंग को अधिक प्रभावी बनाना है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी ग्राम पंचायत उमरिया

नियम ताक पर, साहबों की जेबें गरम!

मानपुर।

जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत उमरिया इस समय भ्रष्टाचार का मॉडल बनी हुई है। यहां विकास के नाम पर सरकारी खजाने की ऐसी लूट मची है कि नियम-कायदे रद्दी के टुकड़ों की तरह उड़ाए जा रहे हैं। सरपंच, सचिव और उपयंत्री (इंजीनियर) की त्रिमूर्ति ने मिलकर पंचायत को अपनी निजी जागीर बना लिया है, जहां गुणवत्ता से समझौता और योजनाओं में बंदरबांट अब आम बात हो गई है।

सीसी रोड नहीं, भ्रष्टाचार की बिछी है परत

पंचायत में निर्माणाधीन सीसी रोड सरकारी मापदंडों की धज्जियाँ उड़ा रही है। मौके पर स्थिति यह है कि न तो सडक़ की चौड़ाई तय मानकों के अनुसार है और न ही इसकी मोटाई। सबसे शर्मनाक पहलू यह है कि सडक़ निर्माण में जिस रॉयल्टी वाली रेत का उपयोग होना चाहिए था, उसकी जगह तालाब की अवैध रेत खपा दी गई। सरपंच-सचिव ने अपनी जेबें भरने के लिए निर्माण की मजबूती को ही दांव पर लगा दिया है।

मशीनों से हो रहा विकास

एक तरफ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मजदूरों के हाथ को काम देने के लिए नई योजनाएं ला रहे हैं, वहीं उमरिया पंचायत में मजदूरों की जगह मशीनों से धड़ल्ले से काम लिया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीण और मजदूर दाने-दाने को मोहताज होकर पलायन करने को मजबूर हैं, जबकि मस्टर रोल में फर्जीवाड़ा कर मशीनों से कराए गए काम को खपाने की तैयारी है।

एक ही जगह का दो बार भुगतान!

पंचायत में आर्थिक अनियमितता का ऐसा खेल खेला गया जो जांच का सबसे बड़ा विषय है। गाइडलाइन के विपरीत, एक ही सरपंच के कार्यकाल में एक ही स्थान का दो बार भुगतान निकाला गया। खेल मैदान के सौंदर्यीकरण के नाम पर पहले समतलीकरण, गिट्टी और प्लास्टर का भुगतान हुआ, और अब उसी जगह पर पेवर ब्लॉक लगवाकर दोबारा सरकारी राशि डकार ली गई। यह सीधे तौर पर वित्तीय गबन का मामला प्रतीत होता है।

पात्र बाहर, सरपंच का भाई आवास के अंदर

भ्रष्टाचार यहीं नहीं थमा, प्रधानमंत्री आवास योजना में भी भारी धांधली उजागर हुई है। सरपंच लोकेश कुशवाहा ने नियमों को ठेंगा दिखाते हुए अपने सगे भाई को ही आवास का लाभ दिलवा दिया, जबकि गाइडलाइन स्पष्ट कहती है कि जनप्रतिनिधि अपने परिजनों को लाभ नहीं दे सकते। गाँव के असली जरूरतमंद आज भी झोपडिय़ों में रहने को विवश हैं और संपन्न लोगों को सरकारी मलाई खिलाई जा रही है।

प्रशासनिक चुप्पी पर उठ रहे सवाल

जब इस भ्रष्टाचार के खेल पर सरपंच लोकेश कुशवाहा और सचिव मंगलेश्वर शुक्ला से पक्ष जानने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन उठाना तक मुनासिब नहीं समझा। अफसरों और जन प्रतिनिधियों की यह चुप्पी मिलीभगत की ओर इशारा करती है।

कलेक्टर और जिला सीईओ से जनता की पुकार

अब उमरिया की जनता की नजरें कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया पर टिकी हैं। ग्रामीणों ने मांग की है कि इन तमाम निर्माण कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों को जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाए, ताकि भ्रष्टाचार की इस पुनरावृत्ति पर लगाम लग सके।

नशे के सौदागरों पर घुनघुटी पुलिस का सर्जिकल स्ट्राइक
जंगल में दबोचे गए 4 तस्कर, 120 शीशी कोरेक्स बरामद

उमरिया। जिले में नशे की जड़ों को खोखला करने के संकल्प के साथ घुनघुटी पुलिस ने मौत के सौदागरों पर अब तक की सबसे बड़ी चोट की है। किरिया काड़ी के घने जंगलों को सुरक्षित पनाहगाह समझकर नशीली कफ सिरप का काला कारोबार करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पुलिस ने भंडाफोड़ कर दिया है। चौकी प्रभारी विजय सेन की घेराबंदी में न केवल 120 बोतल प्रतिबंधित कोरेक्स जब्त की गई, बल्कि तस्करी में शामिल चार आरोपियों को बेड़ियां पहनाकर उनके मंसूबों को मिट्टी में मिला दिया गया।

जंगल में चल रहा था मौत का लेन-देन

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि किरिया काड़ी के सन्नाटे में एक ऑटो और कार के जरिए नशीली खेप की डील होने वाली है। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी ने टीम के साथ मोर्चा संभाला। जब पुलिस ने दबिश दी, तो आरोपियों के पैरों तले जमीन खिसक गई। भागने की नाकाम कोशिश के बावजूद पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चारों को दबोच लिया।

बिलासपुर तक जुड़े हैं तस्करी के तार

पकड़े गए आरोपियों की शिनाख्त ने साफ कर दिया है कि यह नेटवर्क मानपुर से लेकर छत्तीसगढ़ तक फैला हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों में सूरज सिंह चंदेल मानपुर, अनिकेत विश्वकर्मा गोपहरू, शहडोल, अरुण कुशवाह नौरोजाबाद, भोलू पटेल बिलासपुर, छत्तीसगढ़ शामिल हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि मानपुर के आरोपी छत्तीसगढ़ के तस्कर को यह खेप सप्लाई करने वाले थे।

बख्शे नहीं जाएंगे अपराधी

घुनघुटी पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध कारोबारियों में हडक़ंप मच गया है। पुलिस अब इन आरोपियों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है और यह पता लगाने में जुटी है कि आखिर इस जहर की मुख्य सप्लाई चेन कहां से जुड़ी है। चौकी प्रभारी विजय सेन का स्पष्ट कहना है कि नशे के खिलाफ यह अभियान थमेगा नहीं। युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वाले किसी भी शख्स को सिर उठाने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

वेंकटनगर पुलिस द्वारा हत्या के मामले में पुलिस अभिरक्षा से भागने वाले आरोपी को विशाखापट्टनम से किया गया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज जैतहरी। थाना जैतहरी के हत्या के प्रकरण अपराध क्र. 153/2026 धारा 103 (1) बीएनएस के मामले में 21 अप्रैल को आरोपी शैलेष महरा पिता प्रेमलाल महरा उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम सिंघौरा थाना जैतहरी जिला अनूपपुर को गिरफ्तार किया गया था जो आरोपी का न्यायालय अनूपपुर से पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया था आरोपी शैलेष महरा को पु.स.के. वेंकटनगर में सुरक्षार्थ रखा गया था जो 23 अप्रैल को दोपहर 12.30 बजे आरोपी शैलेष महरा चौकी वेंकटनगर से भाग गया था आरोपी शैलेष महरा उक्त अपराध में गिरफ्तार होकर पुलिस रिमाण्ड में निरूद्ध होने के बावजूद पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया था। जो आरोपी के विरूद्द अप. क्र. 158/2026 धारा 262 बीएनएस पंजीबद्द कर आरोपी की लगातार पतासाजी की जा रही थी आरोपी की पतासाजी के दौरान वेंकटनगर पुलिस द्वारा कई संभावित स्थानो पर दबिस दिया गया किंतु आरोपी का पता नही चला पतासाजी के दौरान विश्वसनीय मुखबिर द्वारा वेंकटनगर पुलिस को सूचना दी गई की आरोपी शैलेष महरा विशाखापट्टनम (आंध्रप्रदेश) में बिड़ला जंक्शन नामक स्थान पर मजदूरी का काम करता है जो वेंकटनगर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर के बताये स्थान विशाखापट्टनम (आंध्रप्रदेश) में बिडला जंक्शन नामक स्थान पर दबिस दी जाकर आरोपी शैलेष महरा को गिरफ्तार किया गया है। उक्त फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में चौकी प्रभारी वेंकटनगर उप निरीक्षक प्रवीण कुमार साहू, सउनि. सुरेश कुमार अहिरवार एवं आर. सोनू पर्ते आर. विजय टाटू एवं सायबर सेल अनूपपुर प्रभारी प्रआर. राजेन्द्र अहिरवार की सराहनीय भूमिका रही है।

सब्जी मंडी में नहीं लग रही है दुकान जिसके कारण प्रतिदिन लगता है जाम

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर पालिका के द्वारा करोड़ों रुपए खर्च कर नगर के वार्ड क्रमांक 3 में सब्जी मंडी का निर्माण करवाया गया था और यह सोचकर करवाया गया था कि व्यवस्थित सब्जी की दुकान एक ही छत के नीचे लगेगी लेकिन नगर पालिका प्रशासन के उदासीन रवैया के कारण नगर के मुख्य बाजार की सड़कों पर फुटकर सब्जी विक्रेताओं के द्वारा सब्जी की दुकान लगाकर बिक्री किया जा रहा हैं। जबकि नगर पालिका के द्वारा पूर्व मे नगर के मुख्य सड़कों से सब्जी दुकानें हटवाते हुए दुकानदारों को व्यवस्थित सब्जी मंडी में दुकान लगवाएं जाने के निर्देश देने के साथ ही अंडर ब्रिज एवं अटल चौपाटी के पास दुकाने लगवाई गई थी। बीच मे नगर पालिका का अमला सक्रिय जरूर हुआ था और 2 से 3 दिनों तक पुराना फाटक रोड में दुकान लगवाई गई लेकिन वर्तमान में फिर से फुटकर सब्जी दुकानदारों के द्वारा नगर के आजाद चौक, गांधी चौक, चंदेरिया आभूषण के पास तिराहे में पुराना फाटक रोड में सब्जी दुकानदारों के द्वारा दुकान लगाई जा रही है। सड़कों पर सब्जी दुकान लगाये जाने के कारण आवागमन बाधित होता है। सड़कों पर दो पहिया वाहन खड़ी कर दी जाती है जिसके कारण प्रतिदिन जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। गांधी चौक के बीचो-बीच सब्जी दुकान लगाये जाने के कारण 20 फीट की सड़क 5 फीट में तब्दील हो जाती है जिसके कारण आम नागरिकों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। पूर्व मे मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल से भी नगर पालिका सभाकक्ष में लोगों ने सड़कों पर सब्जी दुकान लगाए जाने को लेकर शिकायत की थी और उनके द्वारा नगर पालिका प्रशासन को निर्देश दिए गए थे कि सब्जी मंडी में ही दुकान लगवायें जाने की व्यवस्था नगर पालिका प्रशासन के द्वारा करवाई जाए। बावजूद इसके ठीक विपरीत सड़कों पर ही सब्जी दुकान लगाई जा रही है लेकिन नगर पालिका के द्वारा ठोस कार्यवाही नहीं होने के कारण फुटकर सब्जी दुकानदारों के हौसले बुलंद है। सब्जी मंडी के अंदर जो दुकानदार दुकान लगा रहे हैं उनमें भी गुस्सा देखा जा रहा है। दुकानदारों का कहना है कि सुबह से लेकर शाम तक हम लोग खाली बैठे रहते हैं बाजार में सब्जी लोगों को मिल जाती है इसलिए वह लोग सब्जी मंडी में सब्जी लेने नहीं आते हैं। यदि नगर पालिका प्रशासन के द्वारा सारी दुकान सब्जी मंडी में नहीं लगवाई गई तो वह दुकानदार भी सड़कों पर दुकान लगाना शुरू कर देंगे।

खबर संक्षेप

टीईटी से छूट के लिए 18 जून को शिक्षक संघ फूकेगा बिगुल

शहडोल। अपनी जायज मांगों को लेकर अब जिले के शिक्षक आर-पार की लड़ाई के मूड में आ गए हैं। वर्ष 2010 के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) से मुक्ति दिलाने के लिए मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने सीधे देश के मुखिया को ललकारने की तैयारी कर ली है। आगामी 18 जून को शिक्षक संघ पूरे तेवर के साथ कलेक्ट्रेट कूच करेगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय शिक्षा मंत्री के नाम एक तीखा ज्ञापन सौंपेगा। जिला अध्यक्ष लालजी तिवारी ने दोटूक लहजे में कहा कि राष्ट्रीय संगठन अखिल भारतीय शैक्षिक महासंघ के आह्वान पर पूरे देश में इस आंदोलन की ज्वाला भड़क चुकी है। दरअसल, 29 मई 2026 को आए सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद कक्षा 1 से 8 तक पढ़ाने वाले पुराने शिक्षकों के लिए भी टीईटी अनिवार्य कर दिया गया है। कोर्ट के इस आदेश से सालों से सेवा दे रहे लाखों शिक्षकों के भविष्य और उनके परिवारों पर अचानक तलवार लटक गई है। संघ का साफ कहना है कि वे न्यायालय का सम्मान करते हैं, लेकिन इस गंभीर संकट का समाधान अब केवल संसद ही कर सकती है। आगामी 18 जून को शाम 5 बजे कलेक्टर के माध्यम से भेजे जाने वाले इस ज्ञापन में मांग की जाएगी कि केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में विशेष विधेयक लाकर 2010 से पहले के शिक्षकों को इस नियम से परमानेंट छूट दे। शिक्षक संघ ने जिले के कोने-कोने से गुरुजी को इस हक की लड़ाई में एकजुट होने और हुंकार भरने की अपील की है।

ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष का नगर आगमन पर हुआ स्वागत

शहडोल। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के प्रथम शहडोल नगर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया । भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के शहडोल नगर आगमन पर नव नियुक्त ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं ने शहडोल नगर के जय स्तंभ चौक पर एकत्रित होकर पवन पाटीदार का फूल माला पुष्पगुच्छ भेंट कर एवं आतिशबाजी व ढोल नगाड़े के साथ भव्य स्वागत किया। जय स्तंभ चौक में स्वागत के पश्चात ई रिक्शा में सवार हुए ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने ई-रिक्शा में कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर प्रधानमंत्री द्वारा ईंधन की बचत, प्रदूषण नियंत्रण और इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देने की अपील का असर अब जनप्रतिनिधियों के व्यवहार में भी दिखने लगा है, शहडोल प्रथम नगर आगमन पर ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्री पाटीदार ने शनिवार को शहडोल पहुंचे जहां उन्होंने प्रधानमंत्री की अपील को आत्मसार करते हुए ई रिक्शा में कार्यकर्ताओं के साथ सवार होकर शहडोल नगर का भ्रमण किया, जहां भाजपा कार्यालय पहुंचते ही भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा की अगुवाई में समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं ने गर्मजोशी से पवन पाटीदार का भव्य स्वागत किया।

संगठन की विरासत और विकास का संकल्प लेकर बुढ़ार पहुंचे सत्येंद्र भूषण सिंह

धनपुरी। भारतीय जनता पार्टी की संगठनात्मक परंपरा और विकासोन्मुखी सोच के प्रमुख प्रतिनिधियों में शामिल मध्य प्रदेश लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष सत्येंद्र भूषण सिंह का बुढ़ार आगमन राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। उनके स्वागत के लिए आयोजित कार्यक्रम में भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उनका भव्य अभिनंदन किया। बुढ़ार प्रवास के दौरान सत्येंद्र भूषण सिंह भाजपा जिला उपाध्यक्ष दौलत मनवानी के प्रतिष्ठान भी पहुंचे, जहां उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने पुष्पमालाओं एवं पुष्पगुच्छों के साथ उनका अभिनंदन करते हुए संगठन के प्रति उनके योगदान की सराहना की। पूरे आयोजन के दौरान उत्साह और आत्मीयता का वातावरण देखने को मिला। उपस्थित वक्ताओं ने सत्येंद्र भूषण सिंह के लंबे संगठनात्मक अनुभव, समर्पित कार्यशैली और पार्टी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने वर्षों तक जमीनी स्तर पर कार्य कर संगठन को मजबूती प्रदान की है। रीवा एवं शहडोल संभाग में संगठन मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल ने भाजपा की संगठनात्मक संरचना को नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की थी।

बरगवां में भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार का भव्य स्वागत, बापू चौक पर उमड़ा जन सैलाब

बुढार।

बरगवां में भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार के प्रथम नगर आगमन पर नगर परिषद बरगवां के बापू चौक में एक ऐतिहासिक और भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। प्रदेश अध्यक्ष के आगमन को लेकर स्थानीय नागरिकों और भाजपा कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व उत्साह और जोश देखने को मिला।

उत्सव में बदला बापू चौक, ढोल-नगाड़ों से गूंजा क्षेत्र,जैसे ही प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार का काफिला बापू चौक पहुंचा, पूरा क्षेत्र 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से गुंजायमान हो उठा। कार्यकर्ताओं ने जोरदार आतिशबाजी, ढोल-नगाड़ों और बाजे-गाजे के साथ उनका आत्मीय अभिनंदन किया। इस दौरान उन्हें फूलों की विशाल मालाएं पहनाई गईं।

पार्षद पवन चीनी मित्र मंडली की सराहनीय पहल,इस पूरे भव्य आयोजन की कमान समाजसेवी एवं वार्ड क्रमांक 7 के पार्षद पवन कुमार 'चीनी' एवं उनकी मित्र मंडली ने संभाल रखी थी। उनकी इस सक्रियता और बेहतरीन आयोजन क्षमता ने पूरे कार्यक्रम को एक उत्सव का रूप दे दिया। कार्यक्रम में उपस्थित जनसमुदाय और वरिष्ठ नेताओं ने पवन कुमार चीनी और उनकी टीम के प्रबंधन की

मुक्तकंठ से सराहना की। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस सफल आयोजन ने क्षेत्र में संगठन की एकजुटता को और मजबूत किया है।"प्रदेश अध्यक्ष जी का बरगवां की धरती पर यह पहला आगमन हम सभी के लिए गौरव का क्षण है। इससे स्थानीय स्तर पर संगठनात्मक गतिविधियों को एक नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।"

उपस्थित कार्यकर्ताओं के विचार

ओबीसी समाज के हितों के लिए प्रतिबद्ध है भाजपाः पवन पाटीदारजनता और कार्यकर्ताओं से मिले इस अभूतपूर्व स्नेह और गर्मजोशी से अभिभूत होकर प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने सभी का आभार व्यक्त किया। उपस्थित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहाःभाजपा सरकार और संगठन समाज के हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।ओबीसी समाज के हितों, अधिकारों और उनके कल्याण के लिए पार्टी निरंतर धरातल पर कार्य कर रही है। कार्यकर्ताओं का यही जोश आने वाले समय में संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

लंबे समय तक याद रखा जाएगा यह आयोजन

कार्यक्रम का समापन बेहद उत्साहपूर्ण और सकारात्मक माहौल में हुआ। बापू चौक पर आयोजित यह भव्य स्वागत समारोह नगर परिषद बरगवां के इतिहास में लंबे समय तक चर्चा का विषय बना रहेगा। इस सफल और ऊर्जावान आयोजन के लिए पवन कुमार 'चीनी' और उनकी मित्र मंडली के प्रयासों की हर तरफ प्रशंसा हो रही है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर पार्षद सिल्लू रजक ने किया रक्तदान

शहडोल।

विश्व रक्तदाता दिवस के शुभ अवसर पर श्री राम रक्तदान समिति द्वारा मानव सेवा का एक और प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया गया। समिति के सक्रिय सदस्य एवं पार्षद सिल्लू रजक ने रक्तदान कर एक जरूरतमंद महिला की सहायता की। जानकारी के अनुसार राजकुमारी रायदास, निवासी पाली, जिला उमरिया, एक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। बताया जाता है कि उनके ऊपर पेड़ गिर जाने से उन्हें गंभीर चोटें आईं तथा हड्डी टूट गई। उपचार हेतु उन्हें शहडोल स्थित आदित्य हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने तत्काल ऑपरेशन करने की सलाह दी। ऑपरेशन के दौरान पीड़िता को रक्त की अत्यंत आवश्यकता थी। परिजनों द्वारा श्री राम रक्तदान समिति से संपर्क किए जाने पर समिति के सदस्य एवं पार्षद सिल्लू रजक तत्काल अस्पताल पहुंचे और रक्तदान कर मानवता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया। समय पर रक्त उपलब्ध होने से चिकित्सकों ने सफलतापूर्वक उपचार एवं ऑपरेशन की प्रक्रिया प्रारंभ की। गौरतलब है कि श्री राम रक्तदान समिति वर्ष 2014 से निरंतर जरूरतमंद मरीजों को रक्त उपलब्ध कराने का सेवा कार्य कर रही है। समिति के सदस्य निस्वार्थ भाव से मानव सेवा में समर्पित हैं और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। रक्तदान महादान है। आपका एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद को नया जीवन दे सकता है। विश्व रक्तदाता दिवस की सभी रक्तवीरों एवं समाजसेवियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

विश्व रक्तदाता दिवस पर पं. दीनदयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय उमरिया में युवा टीम ने आयोजित किया स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

5 यूनिट रक्तदान कर दिया संदेश,जीवन बचाने के लिए आगे आएं युवा

उमरिया- विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला चिकित्सालय उमरिया जिला उमरिया के रक्तदान कक्ष में युवा टीम उमरिया द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. मुकुल तिवारी ने बताया कि सबसे महत्वपूर्ण सेवा रक्तदान को बताया गया है। आपका रक्त किसी मुश्किल में फंसे व्यक्ति की जान बचा सकता है। इसीलिए शिविर में 5 यूनिट रक्तदान हुआ। साथ ही सभी का हीमोग्लोबिन और रक्तचाप भी जांचा गया है।स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में युवाओं ने करीब 5 यूनिट रक्तदान किया। जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक प्रभारी डॉक्टर मुकुल तिवारी के मार्गदर्शन में सभी सहयोगी और चिकित्सकों ने इसे सफल बनाने में विशेष सहयोग प्रदान किया।उन्होंने बताया कि रक्तदान शरीर शोधन की एक प्रक्रिया है, रक्तदान करने से शरीर में नया रक्त तैयार होता है और पहले के रक्त में उपलब्ध कई तरह के कोलेस्ट्राल आदि कम होते हैं।जिन्होंने पहली बार रक्तदान किया और पहली बार रक्तदान को लेकर वे बेहद उत्साहित हैं, वहीं कुछ रक्तदाता ऐसे भी पहुंचे हैं, जो इससे पहले भी कई बार रक्तदान कर चुके हैं। रक्तवीर हिमांशु तिवारी ने कहा कि रक्तदान को लेकर लोगों में अभी भी कई भ्रांतियां है। इसके कारण वह रक्तदान करने के लिए आगे नहीं आते हैं। रक्तदान शिविर में कई लोग ऐसे थे जो कई बार रक्तदान कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि हमारे खून से किसी की जान बच सकती है तो इससे बड़ा कोई पुण्य नहीं हो सकता है। रक्तदान करने वाले युवाओं ने आमजन से साल में दो-तीन बार रक्तदान करने का आह्वान किया। रक्तदान शिविर के दौरानब्लड बैंक प्रभारी डॉ मुकुल तिवारी, लैब टेक्नीशियन वीरेंद्र शर्मा ,विनित साहू ,रक्तवीर राहुल सिंह, अभिनव द्विवेदी, प्रभा शिवहरे,श्रीराम तिवारी व सभी उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर के उपरांत उपस्थित सभी रक्त वीरों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जिला स्तरीय परामर्शदात्री एवं समीक्षा समिति की बैठक संपन्न

शहडोल।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न बैंकिंग योजनाओं, वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों तथा वार्षिक ऋण योजना की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित विभागों एवं बैंकों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने बैंकों को निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को समय पर ऋण उपलब्ध कराया जाए तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वरोजगार योजनाओं, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं, डिजिटल बैंकिंग एवं वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों को प्राथमिकता के साथ संचालित करने पर जोर दिया।बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक के अग्रणी जिला अधिकारी श्री सरवन एस. ने ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने तथा वित्तीय समावेशन को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। वहीं नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक श्री क्षितिज श्रीवास्तव ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में ऋण प्रवाह, वार्षिक ऋण योजना तथा ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की।अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार चौरसिया ने जिले की बैंकिंग उपलब्धियों, विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन एवं वार्षिक ऋण योजना के लक्ष्यों एवं उपलब्धियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया। बैठक में एनयूएलएम, एनआरएलएम एवं मत्स्य विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा संचालित स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन योजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैठक के अंत में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सभी बैंकर्स एवं विभागीय अधिकारियों से समन्वित प्रयासों के माध्यम से वित्तीय समावेशन को सुदृढ़ करने, रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, भारतीय रिजर्व बैंक के अग्रणी जिला अधिकारी सरवन एस., नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक क्षितिज श्रीवास्तव, अग्रणी जिला प्रबंधक अमित कुमार चौरसिया, विभिन्न बैंकों के जिला समन्वयक, शासकीय विभागों के अधिकारी तथा राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एवं मत्स्य विभाग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

शहडोल में राष्ट्रीय बजरंग दल ने कसी कमर

मातृशक्ति और युवाओं की बैठकों में बनी धर्म व राष्ट्रहित की चक्रव्यूह रचना

शहडोल।

धर्म और राष्ट्रहित के संकल्प को लेकर राष्ट्रीय बजरंग दल ने जिले भर में अपनी आक्रामक पैठ बनानी शुरू कर दी है। संगठन द्वारा चलाए जा रहे देशव्यापी संपर्क अभियान के तहत महाकौशल प्रांत के कद्दावर प्रांताधिकारी मेहुल श्रीवास्तव और विभाग संगठन मंत्री अरविंद बघेल ने शहडोल संभाग में संगठनात्मक प्रवास किया।

इस दौरान उनके साथ जिला कार्यवाहक अध्यक्ष विक्की पटेल और जिला मीडिया प्रभारी सागर तिवारी भी मुस्तैद रहे। इस प्रवास ने जिले के हिंदू समाज और कार्यकर्ताओं में एक नया जोश फूंक दिया है। प्रवास का शंखनाद महिला परिषद की शेरनियों के साथ हुई एक हाई-प्रोफाइल बैठक से हुआ, जिसमें सामाजिक गतिविधियों और मातृशक्ति की सहभागिता को लेकर तीखी रणनीति तैयार की गई। इसके बाद कंचनपुर गांव में जिला उपाध्यक्ष संस्कार द्विवेदी और ब्लॉक अध्यक्ष आशीष कारपेंटर के नेतृत्व में युवाओं की फौज जुटी। बैठक में दोटूक लहजे में साफ किया गया कि संगठन विस्तार में किसी भी प्रकार की ढील बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं, बुढ़ार ब्लॉक में हुई बैठक में दल को जमीनी स्तर पर इतना मजबूत करने का संकल्प लिया गया कि विरोधी ताकतें आंख उठाने से पहले सौ बार सोचें। सत्र के दौरान अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष विजय बहरानी से पारिवारिक भेंट कर वैचारिक और रणनीतिक चर्चा की गई। प्रांताधिकारी मेहुल श्रीवास्तव ने सीधे लहजे में कार्यकर्ताओं को ललकारते हुए कहा कि राष्ट्रीय बजरंग दल की असली ताकत किसी पद में नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं के अटूट समर्पण और आत्मीयता में है। संपर्क, संगठन और समर्पण के मूल मंत्र को लेकर हर घर तक भगवा विचारधारा और सेवा कार्यों को पहुंचाना ही हमारा अंतिम लक्ष्य है। इस प्रवास के बाद साफ हो गया है कि आने वाले दिनों में संगठन जिले में एक बड़ी और निर्णायक भूमिका निभाने जा रहा है।

ट्रायल में छाए 445 खिलाड़ी, अब मिलेगी बिल्कुल मुफ्त विश्व स्तरीय ट्रेनिंग

शहडोल की माटी उगलेगी इंटरनेशनल सितारे!

शहडोल।

जिला फुटबॉल संघ के सचिव रईस अहमद के मुताबिक शहडोल के मिनी ब्राजील कहे जाने वाले विचारपुर के स्वर्गीय जयपाल सिंह मुंडा मैदान पर शनिवार को वह ऐतिहासिक मंजर दिखा, जिसने बड़े-बड़े दिग्गजों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। मध्य प्रदेश फुटबॉल अकादमी के तीन दिवसीय मेगा चयन ट्रायल के पहले ही दिन मैदान पर वर्ल्ड कप जैसा पागलपन और जुनून नजर आया। 8 से 18 वर्ष के 445 बालक-बालिकाओं की फौज जब मैदान पर उतरी, तो उनकी रफ्तार और जज्बा देखकर लगा कि शहडोल की माटी से जल्द ही अंतरराष्ट्रीय सितारे निकलने वाले हैं। ट्रायल लेने पहुंचे देश के प्रतिष्ठित क्लबों मोहन बागान व ईस्ट बंगाल के पूर्व कोच और एमपी फुटबॉल संघ के मुख्य चयनकर्ता स्वप्न कुमार विश्वास और आशीष पिल्ले ने यहां के नन्हे जादूगरों का खेल देखकर खुले दिल से तारीफ की। उन्होंने दोटूक कहा मैने पूरे मध्य प्रदेश का कोना-कोना छान मारा है, लेकिन जो बेजोड़ हुनर, करंट और ऊर्जा शहडोल के बच्चों के

पैरों में है, वह पूरे प्रदेश में कहीं और नहीं है। वह दिन दूर नहीं जब इसी मैदान से देश को नए नायक मिलेंगे। चयनित खिलाडियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की बिल्कुल निशुल्क ट्रेनिंग दी जाएगी। मैदान पर उमड़े इस सैलाब और बच्चों का फौलादी इरादा देखकर गदगद हुए जिला फुटबॉल संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छाबड़ा ने खिलाडियों की हौसला अफजाई के लिए तुरंत एक लाख रुपये की नगद आर्थिक सहायता देने का बड़ा एलान कर दिया। उन्होंने विरोधियों और आलोचकों को कड़ा जवाब देते हुए कहा कि जो लोग सोचते थे कि शहडोल में फुटबॉल का ग्राफ गिर रहा है, वे आज इन बच्चों का जादू देख लें। अब मिनी से लेकर सीनियर वर्ग तक की ऐसी अजेय टीमें तैयार होंगी जो पूरे देश में शहडोल का डंका बजाएंगी। इस ऐतिहासिक मौके पर उपाध्यक्ष ए.के. मोहंती, कोषाध्यक्ष अनिल सिंह, रिलायंस फाउंडेशन के डॉ. समीम खान, वरिष्ठ खिलाड़ी क्रेतराम सिंह, राष्ट्रीय कोच नीलेंद्र कुंडे, लक्ष्मी सहीस सहित भारी संख्या में खेल प्रेमी खिलाडिय़ों का हौसला बढ़ाने मुस्तैद रहे।

खबर संक्षेप

घायल सांप का उपचार करा छोड़ा जंगल में

अनूपपुर। विगत दो दिनों के मध्य जिला मुख्यालय अनूपपुर के सर्पप्रहरी शशिधर अग्रवाल, छोटेलाल यादव, मनोज यादव, धर्मेन्द्र यादव एवं लाल दास सिंह द्वारा अनूपपुर नगर एवं आसपास के ग्रामीण अंचलो में आमजनों के घरों एवं घरो के आसपास आहार की तलास मे भटक कर आए 8 अत्यंत जहरीले सर्पो का सुरक्षित रेस्क्यू कर स्वतंत्र विचरण हेतु किरर के जंगल में छोड़ा है। इस दौरान जिला मुख्यालय अनूपपुर से 15 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत मझगवां के चटुआ गांव निवासी जीवन कोल के घर के अंदर अत्यंत जहरीला कोबरा सांप किराना दुकान में रखे सामानों के मध्य से सामानों के गिरने से दब कर गंभीर तरह से घायल होने की सूचना मिलने पर अनूपपुर के सर्पप्रहरी शशिधर अग्रवाल देर रात अकेले स्थल पर पहुंचकर घायल सर्प का सावधानीपूर्वक रेस्क्यू कर सुबह होते ही पशु चिकित्सा विभाग अनूपपुर के सहायक पशु चिकि, क्षेत्र अधिकारी नारायण सिंह मार्को के अनूपपुर निवास पर अपने सहयोगी छोटेलाल यादव के साथ पहुंचकर घायल सांप का टांका लगवा कर एवं अन्य औषधीय से उपचार कराकर दो दिनों मे रेस्क्यू किए गए 8 सांपो जिसमें कोबरा प्रजाति छरू, कामन करैत (डंडाकरायल) प्रजाति के एक एक सर्प को वनांचल क्षेत्र किरर के जंगल में स्वतंत्र विचरण हेतु स्वतंत्र किया गया। भीषण गर्मी एवं वर्षा काल के पूर्व अचानक गिरने पर कई प्रजाति जहरीले एवं समान्य सर्पो के साथ बिभिन्न तरह के जीव जन्तुओं के अपने रहवास इलाके से बाहर निकल कर ज्यादा संख्या में विचरण कर रहे हैं ऐसी स्थिति में आमजनो से रात के समय रोशनी एवं प्रकाश के साथ चलने, टार्च या रोशनी के सहारे ही घर या अन्य स्थानों से आवश्यक सामान निकालने किसी भी परिस्थिति में जमीन में नहीं सोने, सर्पदंश से पीड़ति व्यक्ति को बगैर समय गुजारे, झाड़-फूंक, देशी स्थापित उपचार का प्रयोग किये बगैर तत्काल शासकीय चिकित्सालय में पहुंचकर चिकित्सकों से उपचार कराए जाने की अपील सर्पपहरियो ने की है।

अमरकंटक में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य एवं रक्तदान शिविर सम्पन्न

अमरकंटक। धार्मिक एवं आध्यात्मिक नगरी अमरकंटक स्थित गुरुद्वारा साहिब परिसर में रविवार को आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं रक्तदान शिविर जनसेवा का अनुपम उदाहरण बनकर सामने आया। श्री गुरुद्वारा सिख समिति गुरुद्वारा साहिब अमरकंटक एवं वी वाय हॉस्पिटल रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस विशाल स्वास्थ्य शिविर में सैकड़ों की संख्या में मरीजों एवं ग्रामीणों ने पहुंचकर अपने स्वास्थ्य की प्रारंभिक जांच कराई तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श प्राप्त किया। शिविर के दौरान विभिन्न रोगों की जांच पूरी तरह निःशुल्क की गई। मरीजों को आवश्यक दवाइयों का वितरण भी बिना किसी शुल्क के किया गया। इसके साथ ही नेत्र परीक्षण उपरांत जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए गए। महिलाओं के लिए स्तन कैंसर जांच (मैमोग्राफी), रक्त परीक्षण, सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण सहित अनेक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिली। वी वाय हॉस्पिटल रायपुर से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने हड्डी रोग, हृदय रोग, कैंसर रोग, स्त्री एवं प्रसूति रोग, बाल रोग, चर्म रोग, नेत्र रोग, फिजियोथेरेपी तथा जनरल सर्जरी सहित विभिन्न विभागों की सेवाएं प्रदान कीं। चिकित्सकों ने मरीजों की स्वास्थ्य समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उचित परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन दिया। शिविर में आयोजित रक्तदान अभियान को भी लोगों का भरपूर समर्थन मिला। युवाओं एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दिया। वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम की विशेष व्यवस्था के अंतर्गत गुरुद्वारा साहिब अमरकंटक की ओर से मरीजों, उनके परिजनों तथा आगंतुकों के लिए निःशुल्क लंगर की व्यवस्था की गई थी। पूरे दिन श्रद्धालुओं एवं मरीजों ने गुरु का प्रसाद ग्रहण किया। सेवा, समर्पण और मानव कल्याण की भावना से संचालित यह व्यवस्था सभी के लिए आकर्षण का केंद्र रही।

अमरकंटक में आखिर किसके संरक्षण में फल-फूल रहा अतिक्रमण?

गरीबों पर बुलडोजर, रसूखदारों पर खामोशी

क्या जिला प्रशासन अमरकंटक में अपनाएगा समान न्याय विधान?

अमरकंटक में हालिया अतिक्रमण विरोधी कार्यवाही ने प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जहां गरीबों के झोपड़े और वर्षों की मेहनत से खड़ी की गई बगिया कुछ घंटों में जमींदोज कर दी गई, वहीं बड़े आश्रमों, होटलों, रेस्टोरेंटों और रिसॉर्टों पर प्रशासन की चुप्पी चर्चा का विषय बनी हुई है। पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को के आरोपों ने इस बहस को और तेज कर दिया है कि आखिर कानून का डंडा केवल कमजोरों पर ही क्यों चलता दिखाई देता है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

धार्मिक नगरी अमरकंटक में अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि क्या प्रशासन सभी के लिए एक समान कानून लागू कर रहा है या फिर कार्यवाही का पैमाना व्यक्ति की हैसियत और प्रभाव देखकर तय किया जा रहा है। हाल ही में गरीब परिवारों के आशियानों पर चली बुलडोजर कार्यवाही ने अनेक सवालों को जन्म दिया है। क्षेत्रीय विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को ने खुले तौर से आरोप लगाया कि राजस्व और नगरीय निकाय से जुड़े कुछ जिम्मेदार अधिकारी अवैध कब्जों को संरक्षण दे रहे हैं। उनका आरोप है कि बड़े निर्माणों पर मोटी रकम की आंखों में पट्टी नीचे कर्मचारी से लेकर ऊपर तक के अधिकारी बंधे नजर आ रहे हैं, जबकि गरीबों के आशियाने प्रशासन की प्राथमिक सूची में दिखाई देते हैं। यदि यह आरोप गलत हैं तो प्रशासन को पारदर्शी जांच कर सच्चाई सामने लानी चाहिए, और यदि सही हैं तो यह व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न है। अमरकंटक सहित आज पूरा जिला जवाब मांग रहा है कि कानून सबके लिए बराबर है या नहीं।

बड़े निर्माणों पर क्यों नहीं पहुंचती कार्यवाही?

अमरकंटक में अनेक बड़े आश्रम, होटल, रेस्टोरेंट और रिसॉर्ट लगातार विस्तार कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इन निर्माण कार्यों को सभी देख रहे हैं, लेकिन कार्यवाही के नाम पर सन्नाटा पसरा रहता है। सवाल यह है कि यदि प्रशासन के पास अतिक्रमण की पहचान और उसे हटाने की क्षमता है तो फिर यह क्षमता केवल गरीब बस्तियों तक ही सीमित क्यों दिखाई देती है? प्रशासन की निष्पक्षता पर उठ रहे सवालों का जवाब अब जरूरी हो गया है। लेकिन कई दिनों से सुलगते सवालों पर प्रशासन सिर्फ गरीबों पर बुलडोजर कार्यवाही कर अपनी पीठ थपथपाते ही नजर आ रहा है पर बड़े रसूखदारों की चरण चुम्बन से प्रशासन में नुमाइंदों को फुर्सत ही नहीं मिल पा रही है जिससे वह उनके अवैध निर्माण पर नजर डाल सके।

गरीबों के आशियाने सबसे आसान निशाना क्यों?

जब भी अतिक्रमण हटाने की बात आती है, सबसे पहले गरीबों की झोपड़ियां और छोटे आशियाने प्रशासन की नजर में आ जाते हैं। जिन परिवारों ने वर्षों की मेहनत से अपना ठिकाना बनाया, वे एक दिन में बेघर हो जाते हैं। लेकिन प्रभावशाली लोगों के बड़े-बड़े निर्माण अक्सर कार्यवाही की जद से बाहर दिखाई देते हैं। यह स्थिति आम नागरिक के मन में यह धारणा पैदा करती है कि कानून की कठोरता और नरमी दोनों का निर्धारण सामाजिक और आर्थिक हैसियत से हो रहा है। जिसे आज जिला प्रशासन अपनी कार्यगुजारी से सिद्ध करते नजर आ रहा है।

विधायक के आरोपों ने बढ़ाई प्रशासन की मुश्किलें

पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को द्वारा लगाए गए आरोपों ने पूरे मामले को राजनीतिक और प्रशासनिक बहस के केंद्र में ला दिया है। उन्होंने सार्वजनिक रूप से दावा किया है कि कुछ अधिकारी अवैध कब्जों को संरक्षण दे रहे हैं। ऐसे गंभीर आरोपों के बाद प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। यदि आरोप निराधार हैं तो तथ्यों के साथ उनका खंडन होना चाहिए, और यदि कहीं कोई अनियमितता है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, लेकिन जिला प्रशासन इतना बेशर्म हो गया है कि जनता के सवालों पर जवाब देना मुनासिब ही नहीं समझ रहे है इसलिए जनता प्रशासन को दोहरा चरित्र और चरण चुम्बन की बात खुले आम कहते नजर आ रहे है।

क्या जनता की आवाज सुनने वाला कोई है?

स्थानीय लोगों का कहना है कि शिकायतें लगातार की जाती हैं, लेकिन उनकी सुनवाई नहीं होती है। यही कारण है कि लोगों के बीच प्रशासन को लेकर असंतोष बढ़ रहा है। जब जनता को यह महसूस होने लगे कि उसकी आवाज व्यवस्था तक नहीं पहुंच रही, तब लोकतांत्रिक संस्थाओं पर भरोसा कमजोर होने लगता है। प्रशासन को केवल कार्यवाही करने वाला नहीं, बल्कि जनता का विश्वास जीतने वाला तंत्र भी बनना होगा। लेकिन अनूपपुर जिले का जिला प्रशासन अकर्मण्य हो गया है जिसके कानों में जनता की आवाज तक नहीं पहुंच पा रही है।

पारदर्शी जांच ही खत्म कर सकती है संदेह

अमरकंटक में उठ रहे सवालों का सबसे प्रभावी उत्तर केवल पारदर्शिता और निष्पक्ष जांच ही हो सकती है। यदि सभी प्रकार के अतिक्रमणों की एक समान सूची बनाकर बिना भेदभाव कार्यवाही की जाए, तो प्रशासन की विश्वसनीयता मजबूत होगी, लेकिन यदि कार्यवाही चयनात्मक दिखती रही तो सवाल भी उठते रहेंगे और अविश्वास भी बढ़ता जाएगा। अमरकंटक की जनता अब बुलडोजर नहीं, बल्कि न्याय के समान मापदंड देखना चाहती है,जिससे जिला प्रशासन की न्याय विधान पर जनता का भरोसा सदा बना रहे।अनूपपुर जिले की जनता इस पूरे मामले को अपनी खुली आंखों से देख रही है कि जिला प्रशासन इस पूरे मामले को किस प्रकार से खत्म करता है।

जिला अस्पताल में रक्तदान कर 19 रक्तदाताओं ने बढ़ाया ब्लड बैंक का रक्त भंडार

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। रक्तदान है महादान के संकल्प को साकार करते हुए विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर में विशेष रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अलका तिवारी तथा सिविल सर्जन डॉ. एस.आर. परस्ते एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.सी. राय के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में डॉक्टरों से लेकर बैंककर्मी और अधिवक्ता तक रक्तदान के लिए आगे आए। शिविर की शुरुआत ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. निलेश द्विवेदी ने स्वयं रक्तदान कर की। उनके साथ पैथोलॉजिस्ट डॉ. विनोद कुमार, आर.एम.ओ. डॉ. प्रवीण कुमार शर्मा, सी.एच.ओ. पारुल साहू और आशा कार्यकर्ता शांति पनिका सहित 19 रक्तदाताओं ने रक्त का दान पीड़ित मानवता की सदाशयता के लिए किया। अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा खुद रक्तदान करने से स्टाफ और आम लोगों में खासा उत्साह देखा गया। जिला अस्पताल के स्टाफ के अलावा एसबीआई बैंक के मंगल सिंह, अधिवक्ता याकूब खान सहित कई नियमित रक्तदाताओं ने भी शिविर में पहुंचकर रक्तदान किया। रक्तदाताओं का कहना था कि रक्त की एक बूंद किसी के लिए जीवन बन सकती है, इसलिए वे हर साल रक्तदान करते हैं। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एससी राय ने कहा कि जिला अस्पताल का ब्लड बैंक 247 जरूरतमंदों के लिए तैयार है। एक स्वस्थ व्यक्ति हर तीन माह में रक्तदान कर सकता है। एक यूनिट रक्त से तीन जिंदगियां बचती हैं। उन्होंने युवाओं से नियमित रक्तदाता बनने की अपील की।ब्लड बैंक अधिकारी डॉ. निलेश द्विवेदी ने बताया कि शिविर में एकत्र रक्त को आपातकालीन मरीजों, गर्भवती महिलाओं, दुर्घटना पीड़ितों और थैलेसीमिया से जूझ रहे बच्चों के इलाज में उपयोग किया जाएगा। सभी रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। शिविर मे लैब टेक्नीशियन भाई लाल पटेल, रामलाल राठौर, पिंकी चौधरी, प्रियंका बिसेन का योगदान उल्लेखनीय रहा इस दौरान स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी भी मौजूद रहे।

चार साल बाद भी नहीं सजी दुकानें, जाम और अराजकता बरकरार

75 लाख की अटल चौपाटी बनी सफेद हाथी

हरिभूमि न्यूज कोतमा।

नगर को सुंदर, स्वच्छ और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से लगभग 75 लाख रुपये की लागत से निर्मित अटल चौपाटी आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रही है। वर्ष 2022 में बड़े उत्साह के साथ लोकार्पित इस परियोजना का मकसद सड़क किनारे अव्यवस्थित रूप से लगने वाले चाट-फुल्की और फास्ट फूड के ठेलों को एक स्थान पर व्यवस्थित करना था, ताकि नगर की यातायात व्यवस्था सुधरे और जाम की समस्या खत्म हो। लेकिन चार वर्ष बीत जाने के बाद भी चौपाटी में नियमित रूप से दुकानें नहीं लग सकीं। नतीजतन करोड़ों की सोच और लाखों की लागत वाली यह महत्वाकांक्षी योजना अब उपेक्षा का शिकार बन गई है। जहां एक ओर नगर की सड़कों पर आज भी ठेले लगने से रोजाना जाम की स्थिति बनती है, वहीं दूसरी ओर अटल चौपाटी पार्किंग स्थल और असामाजिक तत्वों का अड्डा बनकर रह गई है। नागरिकों ने अब प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग उठाई है।

अधूरी योजना ने खोया उद्देश्य

अटल चौपाटी का निर्माण नगर को व्यवस्थित स्वरूप देने और सड़क किनारे लगने वाले अस्थायी ठेलों को एक स्थान पर स्थानांतरित करने के उद्देश्य से किया गया था। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष मोहिनी धर्मेंद्र वर्मा के कार्यकाल में निकाय निधि से इसका निर्माण कराया गया और इसे आकर्षक रोशनी व सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। पूर्व खाद्य मंत्री बिसाहूलाल सिंह ने इसका लोकार्पण भी किया, लेकिन प्रशासनिक इच्छाशक्ति की कमी के कारण योजना धरातल पर सफल नहीं हो सकी। चौपाटी का मूल उद्देश्य आज भी अधूरा पड़ा हुआ है।

पार्किंग और असामाजिक गतिविधियों का केंद्र बनी चौपाटी

दुकानों का संचालन शुरू न होने से अटल चौपाटी का उपयोग अब वाहन पार्किंग के रूप में होने लगा है। दोपहिया, चारपहिया वाहनों और हाथ ठेलों का जमावड़ा यहां आम बात हो गई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रात के समय यहां असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगता है, जहां शराबखोरी और जुएं जैसी गतिविधियां संचालित होती हैं। देखरेख के अभाव में चौपाटी का मुख्य प्रवेश द्वार भी क्षतिग्रस्त हो चुका है, जिससे इसकी सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

मंत्री के निर्देश भी बेअसर, जाम से त्रस्त नागरिक

दो वर्ष पूर्व मंत्री दिलीप जायसवाल ने नगर पालिका को निर्देश दिए थे कि जनप्रतिनिधियों, दुकानदारों और नागरिकों की बैठक आयोजित कर सड़क किनारे लगने वाली दुकानों को अटल चौपाटी में स्थानांतरित किया जाए। बैठक तो हुई, लेकिन कार्यवाही फाइलों में ही सिमटकर रह गई। परिणामस्वरूप नगर के प्रमुख मार्गों पर आज भी ठेले लग रहे हैं और प्रतिदिन जाम की स्थिति बन रही है। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते चौपाटी को व्यवस्थित नहीं किया गया तो यह करोड़ों की सोच और लाखों की लागत वाली योजना पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो जाएगी।

किरर घाट में पुलिस ने बरामद किया दुर्घटनाग्रस्त युवक का शव

मजदूरी करने आ रहा था अनूपपुर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

किरर घाट में शनिवार की दोपहर कोतवाली पुलिस क्षेत्र में राजेंद्रग्राम इलाके से मजदूरी करने अनूपपुर आ रहे युवक की दुर्घटना में मृत्यु होने पर शव बरामद करते हुए रविवार की सुबह परिजनों की उपस्थिति में कार्यवाही करते हुए दुर्घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। शनिवार की दोपहर शहडोल-अनूपपुर-अमरकंटक मुख्य मार्ग के मध्य किरर घाट में किरर बीट के कक्ष क्रमांक आरएफ 386 अनूपपुर एवं आसपास के ग्रामीण अंचलों से आमजनो के घरो में आहार की तलाश में भटक कर आए 8 जहरीले सर्पो का रेस्क्यू कर स्वतंत्र विचरण हेतु जंगल में छोड़े जाने हेतु अनूपपुर के सर्पप्रहरी शशिधर अग्रवाल छोड़ने गए थे चीड के वृक्षारोपण के समीप मार्ग से कुछ दूर अंदर लेंटाना की झाड़ियों के बीच एक मोटरसाइकिल वाहन को दुर्घटनाग्रस्त होकर पड़े देखते हुए आगे बढ़कर देखे जाने पर एक अज्ञात युवक जिसके शरीर में अनेको जगह गंभीर चोट लगी हुई रही मृत स्थिति में पड़े देख कर कोतवाली अनूपपुर के निरीक्षक अरविंद जैन को फोन से सूचना दी जिस पर कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन सहा उपनिरीक्षक संतोष वर्मा एवं पुलिस दल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर अज्ञात युवक के शव को शव वाहन से जिला अस्पताल भेज कर दुर्घटनाग्रस्त मोटरसाइकिल को ट्रक में रख कर कोतवाली थाना भेजते हुए अज्ञात युवक की पहचान का प्रयास किया जिस पर अनूपपुर के सामाजिक कार्यकर्ता एवं सूचनाकर्ता शशिधर अग्रवाल ने कुछ राहगीरों द्वारा बताए जाने अनुसार जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ में सचिव फूलचंद सिंह मरावी को मृतक की फोटो भेजे जाने पर श्री मरावी ने अपने गांव, ग्राम पंचायत मौहारी के परसेलखुर्द का होना बताया जाकर परिजनों को सूचित कर शनिवार की रात परिजनों के अनूपपुर थाना पहुचने फोटोग्राफ को देखकर पहचाने जाने पर रविवार की सुबह पुलिस के द्वारा मृतक के शव का परिजनों की उपस्थिति में पंचनामा, साक्षियों के कथन ले कर ड्यूटी डॉक्टर दिनेश बघेल से पीएम की कार्यवाही कर मृतक के शव का अंतिम संस्कार किए जाने हेतु परिजनों को सौंपा इस दौरान परिजनों एवं परिचितों ने बताया कि 27 वर्षीय मृतक राम सिंह पिता स्व, ढिमरा सिंह मरावी राजेंद्रग्राम थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत मौहारी के परसेलखुर्द गांव का निवासी है जो मजदूरी मूलक कार्य कर परिवार का भषण पोषण करता है शुक्रवार की रात अपने ससुराल भमरहा से मजदूरी का कार्य करने मोटरसाइकिल से अनूपपुर आ रहा था इसी दौरान जंगल में अज्ञात कारणों से दुर्घटनाग्रस्त होकर स्थल पर ही मृत पड़ा हुआ देखा गया रहा है कोतवाली पुलिस मृतक के मृत्यु की स्पष्ट जानकारी जानने हेतु विभिन्न माध्यमों से पता शादी कर प्रकरण की जांच कर रही है।

चोरी के 7 मोबाइलों सहित शातिर आरोपी गिरफ्तार, एक माह में 15 मोबाइल बरामद

रेलवे स्टेशन अनूपपुर में जीआरपी की बड़ी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शासकीय रेल पुलिस (जीआरपी) अनूपपुर ने रेलवे स्टेशन पर चलाए जा रहे प्लेटफार्म एवं ट्रेन चेकिंग अभियान के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए चोरी के मोबाइलों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के कुल 7 मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 1,15,500 बताई गई है। जानकारी के अनुसार 13 जून को रेलवे स्टेशन अनूपपुर में प्लेटफार्म एवं ट्रेन चेकिंग के दौरान पुलिस को देखकर एक युवक कटनी-बिलासपुर मेमू ट्रेन से उतरकर भागने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर पुलिस टीम ने उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम महेंद्र सिंह पिता अर्जुन सिंह, उम्र 26 वर्ष, निवासी बड़ा लखौरा, थाना राजेंद्रग्राम, जिला अनूपपुर बताया। तलाशी एवं पूछताछ के दौरान आरोपी के पास से एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल बरामद हुआ, जिसका मिलान चौकी जीआरपी अनूपपुर के अपराध क्रमांक 81/26 धारा 303 (2) बीएनएस से किया गया। मोबाइल चोरी का होना प्रमाणित पाए जाने पर उसे विधिवत जप्त किया गया। इसके बाद आरोपी के बैग की तलाशी लेने पर विभिन्न कंपनियों के 6 अन्य मोबाइल फोन बरामद हुए, जिनमें ओप्पो, रेडमी, सैमसंग एवं रियलमी कंपनियों के मोबाइल शामिल हैं। बरामद मोबाइलों की कुल कीमत लगभग 1,00,500 आंकी गई है। आरोपी ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वह इन मोबाइलों को बेचने की नीयत से शहडोल से अनूपपुर आया था। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 0/26, धारा 317 (2) एवं 317 (4) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर मोबाइल जब्त किए तथा आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की। जीआरपी के अनुसार आरोपी का पूर्व से भी आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उल्लेखनीय है कि शासकीय रेल पुलिस अनूपपुर द्वारा पिछले एक माह के भीतर विभिन्न मामलों में 15 मोबाइल फोन, जिनकी कुल कीमत लगभग 2,67,500 है, बरामद किए जा चुके हैं। इस सराहनीय कार्रवाई में जीआरपी चौकी प्रभारी एएसआई प्रीतम सिंह, प्रधान आरक्षक विनोद गौतम तथा आरक्षक मनोज यादव एवं संजीत शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेलवे यात्रियों की सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण के लिए जीआरपी द्वारा लगातार सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है, जिससे अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लग रहा है।

भगवान जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव को लेकर इस्कॉन अनूपपुर में बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भगवान श्री जगन्नाथ जी की भव्य रथयात्रा के आयोजन को लेकर इस्कॉन अनूपपुर केंद्र में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रेमावतार दास ने की। बैठक में पवित्र कृष्ण दास सहित स्थानीय भक्तगण एवं रथयात्रा आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि भगवान श्री जगन्नाथ, बलदेव एवं सुभद्रा महारानी की भव्य रथयात्रा 16 जुलाई (गुरुवार) को आयोजित की जाएगी। रथयात्रा दोपहर 2:00 बजे शिव मारुति मंदिर, सामतपुर से प्रारंभ होकर पीएचई ऑफिस, अंडर ब्रिज, अमरकंटक तिराहा एवं पीआरटी कॉलेज मार्ग से होते हुए उत्कृष्ट विद्यालय मैदान, अनूपपुर में संपन्न होगी। रथयात्रा के दौरान भक्तों द्वारा उत्साहपूर्वक हरिनाम संकीर्तन, नृत्य, वनवासी सांस्कृतिक नृत्य तथा प्रसाद वितरण किया जाएगा। नगर के विभिन्न स्थानों पर भगवान जगन्नाथ एवं भक्तों के स्वागत के लिए आकर्षक स्वागत द्वार भी स्थापित किए जाएंगे। रथयात्रा के समापन स्थल उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में भगवान जगन्नाथ को छप्पन भोग (56 भोग) अर्पित किए जाएंगे। इसके साथ ही जगन्नाथ कथा, महाआरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। सभी श्रद्धालुओं एवं भक्तों के लिए भगवान जगन्नाथ के महाप्रसाद की विशेष व्यवस्था भी रहेगी। बैठक में उपस्थित भक्तों ने रथयात्रा महोत्सव को भव्य एवं सफल बनाने के लिए विभिन्न सेवाओं एवं व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की तथा अपनी जिम्मेदारियों का निर्धारण किया। इस्कॉन अनूपपुर केंद्र ने समस्त नगरवासियों, श्रद्धालुओं एवं भगवत्प्रेमी भक्तों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में अपने परिवार एवं मित्रों सहित इस दिव्य रथयात्रा महोत्सव में सहभागी बनें तथा भगवान जगन्नाथ की कृपा और आध्यात्मिक आनंद का लाभ प्राप्त करें।